



पड़ोसी भैया बना मेरा सैयां- 2

“वाइफ रोल प्ले सेक्स कहानी में मैंने अपनी वासना से परेशान होकर अपने पड़ोस के एक मर्द को पटाकर अपने साथ सेक्स के लिए तैयार किया. उसने मुझे अपनी बीवी समझ कर चोदा. ...”

Story By: मानस यंग (manasyoung)

Posted: Friday, March 8th, 2024

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [पड़ोसी भैया बना मेरा सैयां- 2](#)

पड़ोसी भैया बना मेरा सैयां- 2

वाइफ रोल प्ले सेक्स कहानी में मैंने अपनी वासना से परेशान होकर अपने पड़ोस के एक मर्द को पटाकर अपने साथ सेक्स के लिए तैयार किया. उसने मुझे अपनी बीवी समझ कर चोदा.

यह कहानी सुनें.

Wife Role Play Sex Kahani

कहानी के पहले भाग

पड़ोस वाले भैया को चूत का रस पिलाया

मैं आपने पढ़ा कि मैं अपने पड़ोस में रहने वाले एक पुरुष को पसंद करती थी. उसकी पत्नी उसे छोड़ कर भाग गयी थी.

तो मैंने अपनी वासना की खातिर उससे नजदीकी बढ़ाई और एक दिन उसके सामने नंगी होकर चूत चटवा ली.

मेरे चूतरस से सना उनका मुँह चाट चाट कर मैंने भी अपने यौवन रस का स्वाद लिया.

अब आगे वाइफ रोल प्ले सेक्स कहानी :

उनके तने हुए लंड को हाथों से सहलाते हुए बोली- अब मेरी बारी है भैयाजी, अब आप देखो आपकी मीनू आपसे कितना प्यार करती है !

उनकी आँखों में देखते हुए एक हवसखोर बाजारू रंडी की तरह मैंने सुपारे पर जीभ से चाटते हुए लौड़ा मुँह में भर लिया.

आँखें बंद करते हुए उन्होंने मेरा सर लंड दबाया और अपना 7 इंच का लौड़ा मेरे मुँह में

घुसाने लगे.

‘हम्मम अररर हहहह’ की आवाजें निकालते हुए वे किसी सांड की तरफ़ गुराने लगे और तेज तेज मेरा मुँह चोदने लगे.

लौड़े से निकलती वीर्य की बूँदें ... ख़ारी बूँदें मेरे अंदर की रांड को जागृत करने लगे और मैं गाऊक ककक गौकक्क्क करते उनका लौड़ा चूसने लगी.

मेरे थूक भैयाजी के काले लंड को भिगोता हुआ उनके नीचे लटके दो निम्बू के आकार के अंडकोष भी भिगाने लगा.

उनके बग़ल में होने के कारण भैयाजी की नजर मेरे गदरायी गांड पर गयी और उन्होंने मेरी कमर पकड़ कर मुझे उनके ऊपर खींच लिया.

मेरे चूतड़ फ़ैलाते हुए वे फिर से मेरे चूत और गांड को सूँघने लगे.

मेरी गांड का छेद अपने अंगूठे से सहलाते हुए उन्होंने प्यार से मेरी चूत को चूमा.

भैयाजी मेरी गांड के छेद को सहलाते हुए बोले- आज तो तेरे सारे छेदों का रस पिऊंगा मीनू रानी! तू भी चूस जोर से साली, खा जा मेरा लौड़ा!

जैसे अश्लील फिल्मों में दिखाते हैं, वैसे ही मैं आज पहली बार अपनी चूत मर्द के मुँह पर रखते हुए लंड को चूस रही थी.

दोनों हाथों से भैयाजी ने मेरे चूतड़ फ़ैलाते हुए अपना मुँह फिर से मेरे चूत में घुसाया.

वाइफ़ रोल प्ले सेक्स के आवेश में आकर मैंने भी अपनी गांड उनके मुँह पर दबा दी.

मेरे मुँह में जोर जोर से अपना लंड पेलते हुए उन्होंने इस बार मेरे गांड के छेद को अपना निशाना बनाया.

गांड के छल्ले पर उनकी जीभ रगड़ते ही मैं मदहोश होकर बोली- ईशस्सशः हूहूह हूहूह
भैयाजी, मेरी गांड उफफ मेरे राआज जजजजा यआ !

मुझे मज़ा लेती देख वे मेरी गांड पर टूट पड़े, उँगलियों से मेरे चूत को कुरेदते हुए वे अपनी
जीभ मेरी गांड पर जादू की छड़ी की तरह घुमाने लगे.

मैंने भी उनके प्यार का सम्मान करते हुए उनका लौड़ा जोर जोर से चूसना चालू किया.

उनके वीर्य से भरे आंड पर कभी अपने जीभ से तो कभी उँगलियों से मालिश करने लगी.

भैयाजी के चाटने से चूत की आग फिर से भड़कने लगी, चूत से निकलता कामरस फिर एक
बार उनके चेहरे पर टपकने लगा.

मेरे थूक से भीगा भैयाजी का लौड़ा बड़ा ही मादक और खूंखार दिखाई दे रहा था पर मैं
किसी बेशर्म बदचलन औरत के भान्ति लंड चूसती जा रही थी.

उनके लंड को अपने मुँह से निकालते हुए मैंने निर्लज्जता से कहा- आ जाइये ना भैयाजी,
अब और नहीं सहा जा रहा जान !

मेरी अवस्था समझकर भैयाजी ने मुझे बिस्तर पर लिटाया और मेरे नंगे बदन को लालची
नज़र से घूरते हुए मेरी टांगों को खोल दिया.

वे मेरी मांसल जांघों को चूमते हुए ऊपर की तरफ बढ़ने लगे.

मेरा पेट, मेरी चूचियों को चूमते हुए उन्होंने फिर मेर ओंठों को चूसना चालू किया.

उनका लंड मेरी जांघों के बीच से होता हुआ मेरे चूत पर रगड़ने लगा.

बिना किसी लज्जा के मैंने खुद उनका लंड अपने हाथों में ले कर चूत पर दबा दिया.

गीली और गर्म चूत के स्पर्श से रोमांचित होकर उन्होंने एक हल्का सा झटका देते हुए
अपना लंड मेरी शादीशुदा चूत में दाखिल हुआ.

चूँकि मुझे उमंग के 6 इंच लंड से चुदने की आदत थी तो मुझे इतना दर्द नहीं हुआ बल्कि लंड के स्पर्श से मैं और गर्मा गयी.

उनको अपनी बाँहों में दबाने की कोशिश करते हुए मैं सिसकते हुए बोली- उफ्फ भैयाजी इइइ ... चोदो नाआआ राजजाजी ईई, घुसा दो पूरा !

मेरी तड़प देख कर भैयाजी ने भी मेरी टांगें फ़ैलाते हुए कहा- हाँ मेरी जान, आज मेरे लंड से तेरी कोख हरी कर दूंगा आआ मीनू !

बड़े प्यार और शालीनता से वे धक्के लगाने लगे.

धीरे धीरे लौड़ा मेरी गीली चूत की दीवारों से रगड़ता हुवा पूरा अंदर समा गया.

हवसखोर रंडी के जैसे मैंने अपनी गांड उठाकर उन्हें इशारा किया, उन्होंने भी अपने धक्कों की गति तेज़ कर दी.

कटी पतंग की तरह मैं उस वासना की आंधी में बहती गयी.

‘आअ हूहूह उफ्फ भैयाजी इइइई’ करती हुई मैं उनसे चिपक गयी.

उनका माथा चूम कर बालों को सहलाते हुए मैं बोली- और तेज भैयाजी इइइइ आआ आआ माँआआ आआआ चोददो ऊऊओ मुझे ईएएए मेरी जान !

मेरी चूचियों को मसलकर उन्होंने मेरे निप्पल अपने मुँह में लिए और भूखे बच्चे की तरह उनको चूसने लगे.

मेरे चूचुक उत्तेजना के मारे फूल रहे थे और चूत लंड की मार से छील रही थी.

मैं तो उनके इस प्यार भरे सम्भोग कला से बहुत प्रभावित हुई.

मेरा शरीर उस वासना की आग में तपकर पिघल रहा था.

भैयाजी के नीचे टांगें खोलकर मैं उनकी रांड बीवी मीनू बन कर चुदवा रही थी.

मेरे चूचे चूसते हुए अचानक भैयाजी बोले- आअह्ह मीनू, कितने प्यारे हैं तेरे मम्मे, आज सारा दूध निचोड़ लूंगा इनका!

मैं भी उनका सर मेरे दूधकलशों पर दबाते हुए उन्हें अपने मम्मे चुसवाने लगी.
मेरे 36 इंच के गुब्बारे चूस चूस कर वे मुझे पागल करने लगे.

सुपारे की मोटाई ने मेरी चूत आज कुछ ज्यादा ही फ़ैला दी.
और लंड की लम्बाई तो इतनी थी कि सुपारा मेरे गर्भाशय को चूम रहा था.

हमारी संभोग क्रीड़ा की मधुर ध्वनि से कमरों की दीवारें थरथरा रही थी, बिस्तर पर बिछाई चादर की सलवटें हमारे प्यार की निशानी में रंग भर रही थी.

काफ़ी देर तक मैं ऐसे ही उनके नीचे मेरे यौवन रस से भरे शरीर को मसलवा रही थी.
मेरे बिखरे बाल और शरीर पर उनके चूसने के निशान मेरी सुंदरता को और बढ़ा रहे थे.

मेरी चूत निरंतर उनके लंड पर अपना काम रस बहा रही थी और इसी वज़ह से चुदाई की छुअप-छुअप की ध्वनि चारों तरफ़ गूँज रही थी.

तेज धक्कों के वार से मेरी चूत कमज़ोर पड़ने लगी, शरीर में उठते कंपन मुझे कुछ इशारा कर रहे थे पर मैं वासना के सागर में बिल्कुल डूब चुकी थी.

अचानक मुझे ऐसे लगा कि मेरे शरीर से कोई मेरी आत्मा छीन रहा है.
इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती, मेरे मुँह से एक ज़ोरदार चीख निकली और मेरा शरीर थरथर काँपने लगा.

मैं फिर से झड़ गयी.

बदचलन आवारा रंडी की तरह मैंने मेरा यौवन रस भैयाजी के लंड पर बहा दिया.

मुझे झड़ने का स्वर्गसुख देते हुए उन्होंने भी अपने धक्कों को रोक कर मुझे बाँहों में दबोच लिया.

दाँतों से उनके सीने पर काटते हुए मैंने मेरे नाखून उनकी पीठ की चमड़ी में घुसा दिए और भलभलाकर झड़ने लगी.

मेरे झड़ने के बाद भैयाजी ने अपना लंड बाहर निकाला.

मेरे कामरस से उनका काला लंड सफ़ेद हो चुका था पर अभी भी वो जैसे के तैसा था.

उनकी मर्दानगी और उस लंड की ताकत देख मैं अपने आप को रोक ना सकी, बिना हाथ लगाए मैंने मेरे चूत के पानी से गीला लंड फिर से मुँह में ले लिया और भैयाजी को धन्यवाद करने के लिए फिर से चूसने लगी.

भैयाजी अपने घुटनों के बल खड़े थे और मैं उनके सामने झुक कर एक कुतिया की तरह उनका लंड चूस रही थी, मेरे चूत रस का स्वाद ले रही थी.

वे मेरी पीठ को सहलाते हुए मेरे चूतड़ मसल रहे थे.

मेरी गदराई गांड को देख कर उन्होंने हल्का सा थप्पड़ मारते हुए मेरी गांड थपथपाई और अपनी एक उंगली से मेरे गांड का छेद रगड़ने लगे.

‘उफ़ ईशश शस्सश भैयाजी इइइइ’ कहते मैंने उनकी इस चालाकी का स्वागत किया और फिर लंड चूसने लगी.

कुछ देर तक मेरे मुँह की गर्मी का आनंद लेकर उन्होंने लंड बाहर निकाल कर कहा- पलट जा मीनू, आज तेरी गांड को देख कर मेरी नियत खराब हो रही है.

मैं एक पतिव्रता पत्नी की तरह उनका आदेश स्वीकारती हुई पलट गई और खुद अपने चूतड़ खोल कर मेरी गांड उनके सामने खोल दी.

अपना लौड़ा मेरे चूत के द्वार पर टकराते हुए उन्होंने एक हाथ से मेरी कमर पकड़ ली और ताबड़तोड़ हमला करते हुए पूरा लौड़ा घुसा दिया.

एक ही बार उनका लम्बा लंड पूरा मेरी चूत में घुस गया तो मेरी हल्की चीख निकली.

मुझ पर झुकते हुए उन्होंने फिर से मेरी चूचियाँ पकड़ कर मसलना चालू किया.

मेरी गर्दन पर काटते हुए भैयाजी इस बार मुझे बुरी तरह चोदने लगे.

मेरे कान की पत्तियां चूसते हुए भैयाजी धीरे से मेरे कान में बोले- आआह ह मीनू, आज से मेरी बीवी रोज ऐसे मेरे लंड से चुदेगी. साली मेरे लौड़े की रांड बीवी है तू मीनू!

मैंने भी अपनी गांड उनके लौड़े पर दबाते हुए मदहोशी के स्वर में कहा- आआहूह चोदो फिर भैयाजी चोदो अपनी रांड बीवी को ... उफफ फाड़ दी आपने ईई!

पता नहीं कितनी देर तक मैं ऐसे ही उनकी रंडी बीवी बनकर उनसे चुदती रही.

मुझे आज तक नहीं पता कि मैं उस एक चुदाई में कितनी बार झड़ चुकी थी.

भैयाजी की साँस भी तेज चल रही थी, उनकी छाती का पसीना मुझे मेरी पीठ पर महसूस हो रहा था और शायद वे भी अब झड़ने के लिए व्याकुल थे.

जैसे ही मुझे पता चला कि भैयाजी का आखरी पड़ाव आ चुका है तो मैंने आगे होते हुए उनका लौड़ा अपनी चूत से बाहर निकाल लिया और फिर से उनके सामने टांगें खोलकर लेट गयी.

मेरी चूत की पंखुड़ियां खोल कर मैंने भैयाजी से कहा- खबरदार आज एक बून्द भी मेरे चूत से बाहर निकली तो ... बना दो आपके बच्चों की माँ ... चोदो मुझे पतिदेव!

मेरे आदेश का पालन करते हुए भैयाजी ने भी अपना लंड मेरे चूत में घुसाते हुए कहा- हां मीनू, तुझे मेरे बच्चों के माँ जरूर बनाऊंगा. फिर देखता हूँ तू कहाँ जाएगी मुझे छोड़के!

इतना कहते ही वे मुझे पर टूट पड़े, बेहद वहशी तरीके मुझे चोदते हुए उन्होंने मेरे अंजर-पंजर ढीले कर दिए और मैं उनकी रांड बनकर चुदवाने लगी.

पर उनका यह जोश ज्यादा देर तक टिक ना सका.

मुश्किल से 20 – 22 धक्कों के बाद उन्होंने मेरे सामने शरणागति ले ली.

झड़ने से पहले मुझे उनके लंड का सुपारा मेरे चूत में और ज्यादा फूलता हुआ महसूस हुआ और मैंने भी अपनी टांगें उनकी पीठ पर कस ली.

पूरा सुपारा अंदर मेरी कोख में दबाते हुए भैयाजी गुर्राए- मीनू ... उउउउ आआह्ह ह्ह आयाआआ आआ जान!

वीर्य के फ़व्वारे मेरे कोख में समाने लगे.

और मैं फिर एक बार उस उबलते वीर्य की गर्माहट से झड़ने लगी.

सुपारा तो जैसे बच्चेदानी के अंदर फंस गया था.

मेरे सीने पर अपना सर रखते हुए भैयाजी जोर जोर से साँसें ले रहे थे.

और इस पूरे समय उनका लंड मैंने मेरे चूत के अंदर ही दबा के रखा.

इस भयंकर वासना भरी चुदाई के बाद उस रात में भैयाजी से और तीन बार चुदी.

हर बार उनके दमखम वाली चुदाई से मैं बार बार झड़ती रही.

मुझे अपनी बीवी मीनू मानकर भैयाजी ने भी मुझे हचक-हचक कर चोदा और हर बार अपना वीर्य मेरे कोख में समर्पित किया.

आज मैं एक साथ दो-दो मर्दों की बीवी हूँ.

एक जिसे मेरी किस्मत ने मेरा पति बनाया और दूसरे भैया जी जिनको मेरा दिल पति मान चुका है.

इस कहानी को जब मैंने मानस जी को बताया, उस समय मैं पेट से थी.

और इस बार भी मैं भैयाजी के बच्चे की माँ बनने वाली हूँ.

आशा है आप सभी को मेरी वाइफ रोल प्ले सेक्स कहानी जरूर पसंद आएगी.

और मानस जी हर बार की तरह आपके लिए नई नई कहानियां लेकर आएंगे.

तब तक के लिए राम राम !

replyman12@gmail.com

Other stories you may be interested in

सौतेली मां बनी अंतरंग सखी- 4

फोरप्ले सेक्स विद बॉयफ्रेंड का मजा मुझे तब मिला जब मेरी सहेलियों ने मेरे दोस्त को एक पार्टी में बुलाया. उसने मुझे प्रोपोज किया और तब मेरी सहेलियों के सामने हमने थोड़ा सेक्स किया. कहानी के तीसरे भाग जब मैंने [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसी भैया बना मेरा सैयां- 1

गरम चूत माउथ फक कहानी में एक शादीशुदा महिला ने अकेलपन से ऊब कर अपने पड़ोसी से दोस्ती कर ली. वह महिला पड़ोसी के साथ सेक्स करना चाह रही थी. नमस्कार दोस्तो, आज मैं आपके लिए एक नयी कहानी लेकर [...]

[Full Story >>>](#)

सौतेली मां बनी अंतरंग सखी- 3

फर्स्ट ओरल सक का मजा मैंने तब लिया था जब मैं कॉलेज टूर में गयी थी. वहां मैंने लड़के लड़कियों के ग्रुप को सेक्स का मजा लेते देखा. उन्होंने मुझे भी खींच लिया और मैंने पहली बार लंड चूसा. कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

गई थी पढ़ने, मजा ले लिया लण्ड का

Xxx अंकल सेक्सी भतीजी चुदाई की कहानी में एक जवान लड़की अपनी बुआ के घर रह कर पढ़ रही थी. वह रोज बुआ फूफा की चुदाई देखकर सेक्स करने की चाहत करने लगी थी. मेरे प्यारे दोस्तो, मैं आज आपको [...]

[Full Story >>>](#)

सौतेली मां बनी अंतरंग सखी- 2

हॉट लेस्बियन मदर डॉटर सेक्स का मजा मैंने अपनी कमसिन बेटी को दिया. उसे सेक्स को लेकर जिज्ञासा थी तो मैंने उसकी प्रशिक्षक बनाने का निर्णय लिया. यह कहानी सुनें. मेरी कहानी के पहले भाग सेक्सी मौसी की कमसिन भानजी [...]

[Full Story >>>](#)

